फारसी और भारतीय भाषाओं के बीच अनुवाद को लेकर चर्चा

साहित्य अकादमी में ईरानी प्रकाशकों का दल

साहित्य अकादेमी में 07 फरवरी को ईरान के प्रकाशकों के एक दल ने भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य था, फारसी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के बीच अनुवाद की प्रक्रिया को तेज और सहज करना। इस दल में ईरान बुक एंड लिटरेचर हाउस के मैनेजिंग डायरेक्टर इब्राहिम सब्जेह एवं इंटरनेशनल डिपार्टमेंट हेड हुसैनली सब्जेह के अलावा ग्रीन पॉम पब्लिकेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर हुसैन बहरामी भी थे। ईरान कल्चर सेंटर के कुछ पदाधिकारी भी इस दल में शामिल थे। सभी का स्वागत साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने अंगवस्त्रम पहना कर किया। अनुवाद के अलावा वितरण एवं प्रकाशन के जरिए दोनों देशों के साहित्य को आम पाठकों के लिए और सुलभ बनाने पर भी विचार विमर्श हुआ। साहित्य अकादेमी सचिव का सुझाव था कि दोनों देशों के महत्वपूर्ण बाल साहित्य और युवा साहित्य का अनुवाद होने से नई पीढ़ी आपस में जुड़ सकेंगी। दल ने भारत और ईरान के प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों को याद करते हुए इसे और मजबूत बनाने की बात कही। उन्होंने साहित्य अकादेमी की बुकशॉप को भी देखा और वहां प्रदर्शित किताबों के अतिरिक्त भारतीय साहित्यकारों पर बनाए गए वृत्तचित्रों में गहरी रुचि दिखाई।